विधि संकाय लखनऊ विश्वविद्यालय

द्वारा आयोजित

“वेबिनार ऑन “इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 ऑन इंटरनेशनल लॉ”

वेबिनार का संक्षिप्त विवरण

प्रथम दिवस – दिनांक 01 मई, 2020

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की तरफ से "इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 ऑन इंटरनेशनल लॉ" विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन कराया गया।

वेबिनार में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश की माननीय अपर महाधिवक्ता श्रीमती ज्योति सिक्का ने कहा कि जहां एक तरफ कोरोनावायरस महामारी ने विश्व और देश की अर्थव्यवस्था एवं हमारे जीवन को बुरी तरह से प्रभावित करा है वही दूसरी तरफ पर्यावरण के लिए ये वरदान साबित हुआ है। इस विषय पर विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित किए जा रहे वेबिनार एवं व्याख्यान से प्रतिभागियों को निश्चित ही इसका लाभ मिलेगा।

डीन विधि संकाय लविवि प्रो. सी.पी. सिंह ने बताया कि इस तीन दिवसीय वेबिनार में कोविड-19 का अंतरराष्ट्रीय विधि के विभिन्न आयामों पर पड़ने वाले प्रभाव पर विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिया जाएगा और चर्चा करी जाएगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय की डॉ. सीमा सिंह ने "कोविड-19 एण्ड रोल ऑफ चाइना अंडर इण्टरनेशनल लॉ" विषय पर और लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ. पंच ऋषि देव शर्मा ने "रोल ऑफ डब्ल्यू.एच.ओ. इन कॉमबेटिंग अगेंस्ट कोविड-19" एवं "पोजिशन ऑफ इंडिया आफ्टर दा पैन्डेमिक ऑफ कोविड-19" विषय पर व्याख्यान दिया और चर्चा करी गई।

इस वेबिनार में देश के विभिन्न हिस्सों से 300 से ज्यादा विद्यार्थी, अध्यापक, प्रोफेशनल, रिसर्च स्कॉलर आदि लोगों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। वेबिनार के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी विधि संकाय लविवि के प्रो. मोहम्मद अहमद ने कहा कि इस वेबिनार को कराने का हमारा उद्देश्य ये है कि प्रतिभागी यह समझ सके की कोविड-19 से अंतरराष्ट्रीय विधि और संबंधों पर क्या असर पड़ेगा। इस वेबिनार को आयोजित कराने में विधि संकाय लविवि के छात्र सक्षम अग्रवाल, सचिन वर्मा, हरि गोविन्द दुबे, शिशिर यादव ने मुख्य भूमिका निभाई।

<u>दूसरा दिवस – दिनांक 02 मई, 2020</u>

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की तरफ से आयोजित कराए जा रहे तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार में दूसरे दिवस पर सामाजिक अर्थशास्त्री वा विद्यांत हिन्दू पी.जी. कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनीष हिंदवी के द्वारा "इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 ऑन वर्ल्ड इकोनॉमी" एवं विधि संकाय लविवि के डॉ. आशीष श्रीवास्तव और केन्द्रीय विश्वविद्यालय झारखंड के डॉ. राशवेत श्रिंखल द्वारा साझा रूप से "इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 ऑन इंटरनेशनल ट्रेड" विषय पर व्याख्यान दिया गया और परिचर्चा की गई।

डॉ. मनीष हिंदवी ने अपने व्याख्यान में बताया कि "वैश्विक स्तर पर कोरोनावायरस महामारी की वजह से ट्रांसपोर्ट गतिविधियां में आयी रूकावट नें वैश्विक व्यापार को बूरी तरह प्रभावित किया है।" उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि "कोरोनावायरस लॉकडाउन से प्रभावित हुई अर्थव्यवस्था को उभारने के लिए भारत सरकार को एफडीआई पर प्रभावकारी नीतियां लाने की जरूरत है और चीन से अन्य देशों के उद्योगों को भारत में आकर्षित करना पड़ेगा।"

डीन विधि संकाय लविवि प्रो. सी.पी. सिंह ने बताया कि कोरोनावायरस महामारी के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बूरा प्रभाव पड़ा है। अतः चीन की ये जिम्मेवारी है कि उसको सभी देशों की क्षतिपूर्ति करनी चाहिए।

<u>तीसरा दिवस - दिनांक 03 मई, 2020</u>

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की तरफ से आयोजित कराए जा रहे तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार में तीसरे दिवस पर लखनऊ विश्वविद्यालय के एसिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. भानू के द्वारा "कोविड-19 एण्ड इंटरनेशनल लॉ" एवं "इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 ऑन इंटरनेशनल रिलेशन" विषय पर व्याख्यान दिया गया और परिचर्चा करी गई।

डॉ. भानू प्रताप ने अपने व्याख्यान में बताया कि "कोरोनावायरस महामारी के बाद वैश्विक स्तर पर शक्तियों का संतुलन बदलेगा।" उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि "जो देश कोरोनावायरस महामारी से लड़ने में अग्रणी भूमिका निभा रहें हैं और बेहतर कदम उठा रहे हैं, आने वाले समय में विश्व के संगठनों में उनको महत्वपूर्ण भूमिका मिलनी चाहिए।"

विधि विभाग के ही प्रो. आर.के. सिंह ने इस बात पर ज़ोर दिया कि "कोरोनावायरस महामारी से लड़ने के लिए सभी देशों के बीच परस्पर सहयोग बहुत ही ज़रूरी है।"